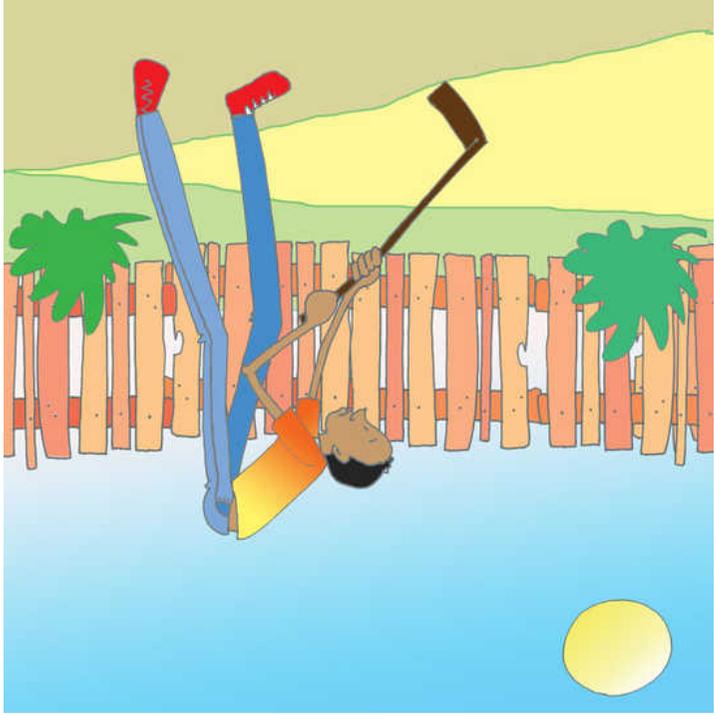


# एक बड़त लखा आतमी।



Cornelius Gulere ✎

Catherine Groenewald 📧

Kishan Singh Sirari 📖

Hindi 😊

Level 2 📖

# Storybooks Canada

[storybookscanada.ca](http://storybookscanada.ca)

**एक बड़त लखा आतमी।**

Written by: Cornelius Gulere

Illustrated by: Catherine Groenewald

Translated by: Kishan Singh Sirari

This story originates from the African Storybook ([africanstorybook.org](http://africanstorybook.org)) and is brought to you by Storybooks Canada in an effort to provide children's stories in Canada's many languages.



This work is licensed under a Creative Commons

[Attribution 3.0 International License.](https://creativecommons.org/licenses/by/3.0)

<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0>



उसका फावड़ा बहुत छोटा था।

उसके दरवाजे का रस्सा एक लंबाई के फूस





उसका बिस्तरा बहुत छोटा था।

उसकी साइकल बर्तन छीटी थी।

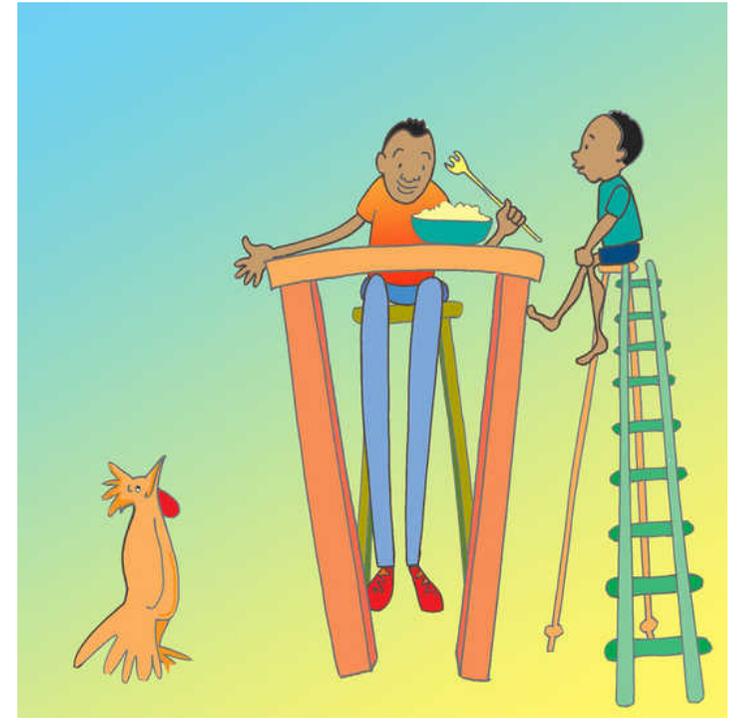


वह अपना घर छींट कर एक बड़े जंगल में रहने लगा। वह बर्तन सालों तक रखा।



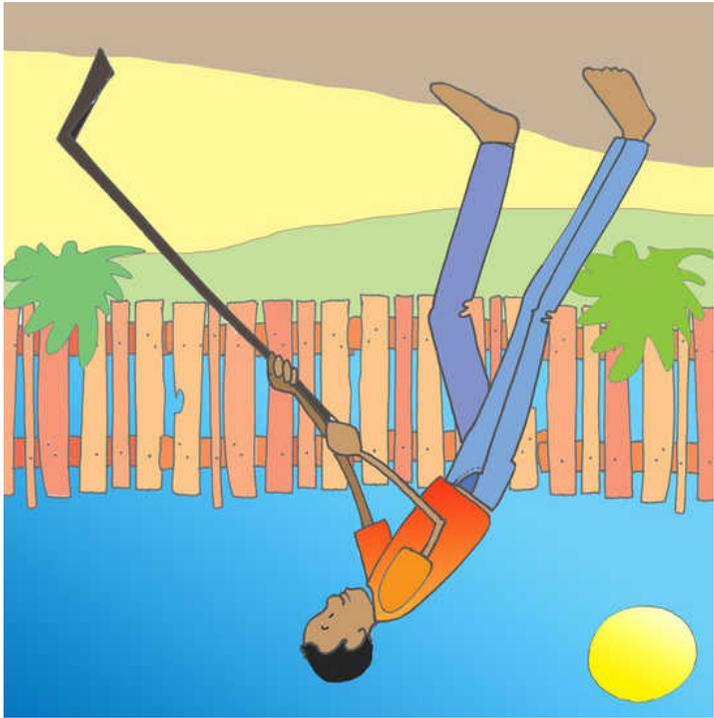


यह आदमी बहुत लाम्बा था।



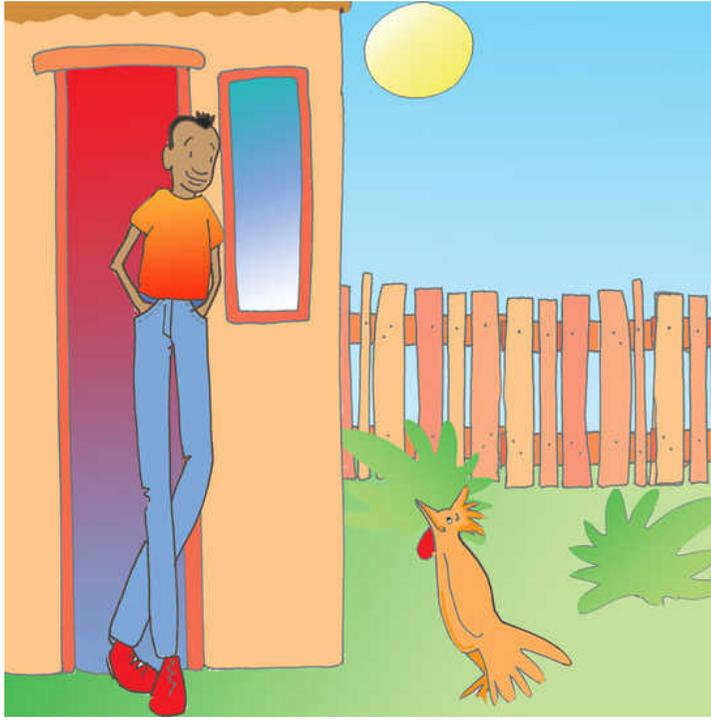
वह एक ऊँची कुर्सी में बैठा। उसने एक लम्बे काटे से खाया।

। ଯେ ଯାଏ ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି

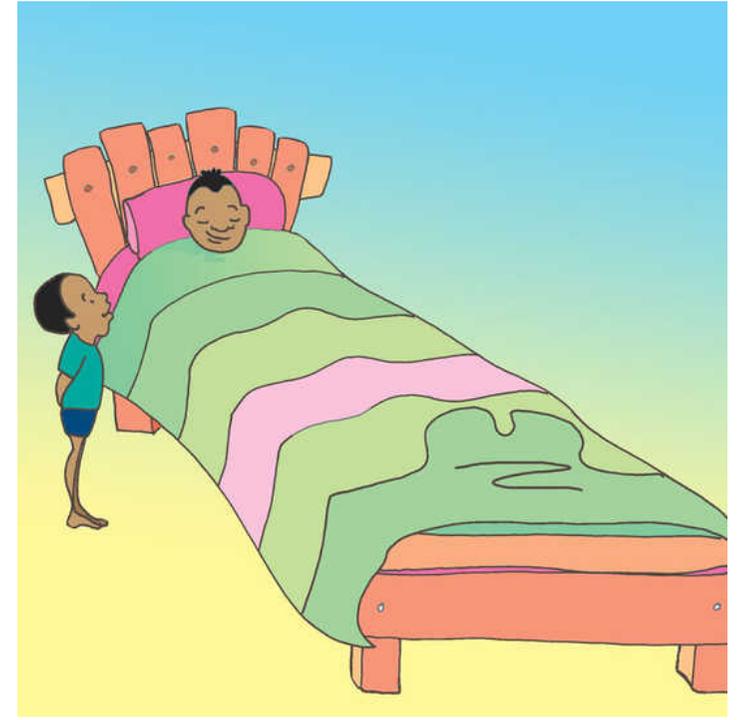


। ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି ଯେଉଁଠି





उसने दरवाज़े की चौखटे बहुत ऊँची बनायी थी।



उसने बहुत लम्बा बिस्तरा बनाया था।